भारत की कॉफी

प्रलिम्सि के लयि:

कॉफी बोर्ड ऑफ इंडिया, चकिोरी, भारत में कॉफी उत्पादन

मेन्स के लयि:

सरकारी नीतयिाँ और हस्तक्षेप, पारस्थितिकि रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में कॉफी बागानों का महत्त्व, कॉफी की खपत और ऑक्सीडेटवि क्षतसि बचाने में इसकी भूमकिा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में स्टेटसि्टा साइट से प्राप्त जानकारी के अनुसार,**ब्राज़ील (कॉफी का सबसे बड़ा उत्पादक), वयितनाम, कोलंबयिा, इंडोनेशयिा, इथयिोपयिा और होंडुरास के बाद भारत दुनयिा में कॉफी का छठा सबसे** बड़ा उत्पादक है।

- हाल के दनिों में दक्षणि भारतीय कॉफी मश्रिण अपने स्वास्थ्य लाभों के चलते अधकि ध्यान आकृष्ट कर रहा है, यह वशिष रूप से दूध के साथ चकिोरी (Chicory) और कॉफी की भूमकिा पर प्रकाश डालता है।

दक्षणि भारतीय कॉफी मश्रिण:

- **परचिय:**
  - इसमें **कॉफी और कासनी पाउडर का मश्रिण** शामलि होता है।
  - **यह मश्रिण अनूठे स्वाद और वशिषताओं से** युक्त है।
- **चकिोरी:**
  - **यूरोप और एशयिा** मूल की स्थानकि जड़ी-बूटी।
  - इसमें **इंसुलनि** होता है, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद एक स्टार्चयुक्त पदार्थ है, जो**गेहूँ, प्याज़, केले, लीक, चुकंदर और शतावरी सहति वभिन्नि प्रकार के फलों, सब्जयिों एवं जड़ी-बूटयिों** में पाया जाता है।
  - इसमें **हल्के रेचक गुण होते** हैं और यह **सूजन को कम करता है तथा बीटा-कैरोटीन** से भरपूर होता है, जो ऑक्सीडेटवि क्षतकि खलिाफ बेहतर सुरक्षा प्रदान करता है।
  - **चकिोरी में कैफीन की अनुपस्थति इसे कॉफी, जसिमें कैफीन होता है, का उपयुक्त पूरक बनाती है।**
- **कॉफी के स्वास्थ्य लाभ:**
  - **ऑक्सीडेटवि क्षत**सि सुरक्षा।
  - **टाइप 2 मधुमेह** का खतरा कम होता है।
  - **उम्र से संबंधति बीमारयिों** का खतरा कम होता है।
- **दूध के साथ कॉफी के संभावति स्वास्थ्य प्रभाव:**
  - हालाँकि सादा कॉफी दुनयिा के कई हस्सिों में लोकप्रयि है, जबकि**दक्षणि भारतीय फलि्टर कॉफी आमतौर पर गर्म दूध के साथ पेश की जाती है।**
  - कॉफी में दूध मलिाने से कॉफी का स्वाद और सुगंध बढ़ जाता है।
  - कोपेनहेगन वश्विवद्यालय के शोध से पता चलता है कि दूध के साथ कॉफी का**एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रभाव हो सकता है, जो दूध में मौजूद प्रोटीन और एंटी-ऑक्सडिेंट के संयोजन का कारक है।**
  - दूध में मलिाई गई कॉफी के स्वास्थ्य प्रभावों का अध्ययन करने के लयि बड़े पैमाने पर मानव परीक्षण चल रहा है और भारतीय कॉफी प्रेमयिों के बीच इसे लेकर रुचि बढ़ रही है।

कॉफी के वषिय में:

- **इतिहास और व्यावसायीकरण:**
  - सत्रहवीं शताब्दी के अंत में भारत में कॉफी की शुरुआत हुई थी।
  - वर्ष 1670 में एक भारतीय तीर्थयात्री द्वारा **यमन से भारत में सात कॉफी बीन्स की तस्करी** से इसके प्रारंभिक आगमन को चिह्नित किया जा सकता है।
  - 17वीं शताब्दी के दौरान भारत के कुछ भागों पर अधिकार करने वाले **डचों ने कॉफी की खेती के प्रसार में भूमिका निभाई**।
  - हालाँकि उन्नीसवीं सदी के मध्य ब्रिटिश राज के दौरान यह विशिष रूप से मैसूर क्षेत्र में वाणिज्यिक कॉफी की खेती के रूप में विकसित हुई।
- **खेती और जैवविविधता:**
  - **भारत में कॉफी बागान प्रथाएँ:**
    - यह मुख्य रूप से **प्राकृतिक छाया** में उगाई जाती है।
    - मुख्यतः **पश्चिमी** और **पूर्वी घाट** के पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में।
  - **जैवविविधता हॉटस्पॉट:**
    - इन क्षेत्रों में स्थित कॉफी बागानों को **जैवविविधता हॉटस्पॉट** के रूप में मान्यता प्राप्त है।
    - **भारत की अनूठी जैवविविधता** में महत्त्वपूर्ण योगदानकर्त्ता।
  - **निर्यात एवं घरेलू खपत:**
    - भारत में **उत्पादित कॉफी का लगभग 65% से 70% निर्यात** किया जाता है और शेष कॉफी का घरेलू स्तर पर उपभोग किया जाता है।
  - **स्थिरता एवं सामाजिक-आर्थिक विकास में भूमिका:**
    - कॉफी की खेती **जैवविविधता को बनाए रखने में** महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
    - **यह दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है।**
- **जलवायु की स्थिति और मृदा के प्रकार:**
  - **जलवायु की स्थिति:**
    - गर्म तथा आर्द्र जलवायु, तापमान 15°C से 28°C और वर्षा 150 से 250 सेमी.।
  - **हानिकारक परिस्थितियाँ:**
    - ठंढ, हिमपात, 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक उच्च तापमान और तेज़ धूप।
  - **आदर्श मृदा की स्थिति:**
    - अच्छी जल निकासी वाली दोमट मृदा, ह्यूमस और खनिजों (लौह, कैल्शियम) की उपस्थिति, उपजाऊ ज्वालामुखी लाल मृदा तथा गहरी रेतीली दोमट मृदा।
  - **कम उपयुक्त मृदा की स्थिति:**
    - भारी चिकनी मृदा, रेतीली मृदा।
- **भौगोलिक वितरण और किस्में:**
  - **भारत में कॉफी बागान क्षेत्र:**
    - कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश (अराकू घाटी), ओडिशा, मणिपुर, मिज़ोरम और अन्य पूर्वोत्तर राज्य।
  - **प्रमुख कॉफी उत्पादक:**
    - कर्नाटक में भारत के कुल कॉफी उत्पादन का लगभग 70% हिस्सा उगाया जाता है।
  - **भारत में कॉफी की किस्में:**
    - **अरेबिका और रोबस्टा।**
  - **अरेबिका की विशेषताएँ:**
    - यह अधिक ऊँचाई पर उगाई जाती है और इसकी सुगंध के कारण इसका बाज़ार मूल्य अधिक होता है।
  - **रोबस्टा की विशेषताएँ:**
    - इसे इसकी क्षमता हेतु जाना जाता है, जिसका विभिन्न मिश्रणों में प्रयोग किया जाता है।

INDIA COFFEE MARKET-KEY DATA

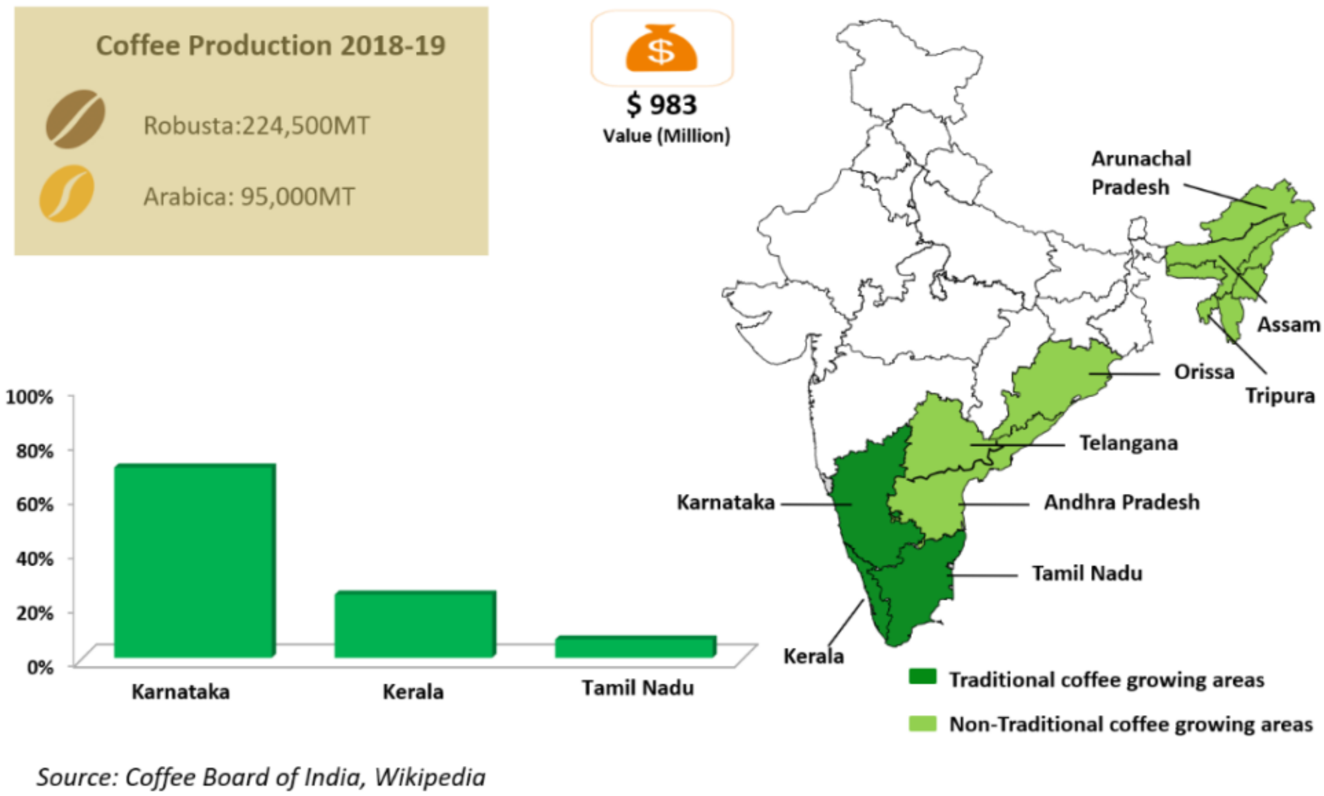

//

भारतीय कॉफी बोर्ड:

- **कॉफी बोर्ड कॉफी अधिनियम, 1942 की धारा (4)** के तहत गठति एक **वैधानकि संगठन** है और वाणज्यि एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनकि नयिंत्रण में कार्य करता है। बोर्ड में अध्यक्ष सहति 33 सदस्य होते हैं।
- बोर्ड मुख्य रूप से अनुसंधान, वसि्तार, वकिास, बाज़ार आसूचना, बाहरी और आंतरकि संवर्द्धन तथा कल्याणकारी उपायों के माध्यम से अपनी गतवििधियों पर ध्यान केंद्रति कर रहा है।
- इसका मुख्यालय बंगलूरू में है।
- बालेहोन्नूर (करनाटक) में भी कॉफी बोर्ड का एक केंद्रीय अनुसंधान संस्थान स्थति है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. सूची-I को सूची-II से सुमेलति कीजयि और सूचयिों के नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि: (2008)

सूची-I (बोर्ड)	सूची-II (मुख्यालय)
A. कॉफी बोर्ड	1. बंगलूरू
B. रबर बोर्ड	2. गुंटूर
C. चाय बोर्ड	3. कोट्टायम
D. तंबाकू बोर्ड	4. कोलकाता

कूट:

A B C D

(a) 2 4 3 1
(b) 1 3 4 2
(c) 2 3 4 1
(d) 1 4 3 2

उत्तर: (b)

प्रश्न. हालाँकि कॉफी और चाय दोनों की खेती पहाड़ी ढलानों पर की जाती है लेकिन इनकी खेती से संबंधित कुछ अंतर है। इस संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2010)

1. कॉफी के पौधों के लिये उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की गर्म और आर्द्र जलवायु की आवश्यकता होती है, जबकि चाय की खेती उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय दोनों क्षेत्रों में की जा सकती है।
2. कॉफी का प्रवर्धन बीजों द्वारा किया जाता है, जबकि चाय का प्रवर्धन तने की कटिंग द्वारा ही किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-s-coffee